*प्रैस विज्ञप्ति*

# महामहीम राष्ट्रपति ने ऊर्जा संरक्षण दिवस 2017 पर राष्ट्रीय पेन्टिंग प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

## देश भर के 1.22 करोड़ विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था

**नई दिल्ली, 14 दिसंबर 2017:** आज राजधानी में हुए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह में भारत के महामहीम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रीय पेन्टिंग प्रतियोगिता 2017 के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस प्रतियोगिता के लिए देश भर के स्कूलों से कक्षा–4 से कक्षा–9 के बच्चों को आमंत्रित किया गया था। इसके लिए प्रतियोगियों को अपनी पेन्टिंग में संवहनीय रहन–सहन तथा स्वच्छ, हरित एवं ऊर्जा दक्ष भविष्य के लिए अपनी सोच को दर्शाना था।

भारत के महामहीम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा, ''ऊर्जा संरक्षण की भावना भारतीय मूल्यों का अंतर्भूत अंग है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी स्कूली बच्चों को मैं शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने ऐसे कल्पनाशील पेन्टिंग बनाने में अपने ईमानदार प्रयास किए जो दर्शाती हैं कि ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों से बच्चे किस तरह जुड़े हैं और पर्यावरणीय संवहनीयता के प्रति वे कितने चिंतित हैं। हमारे देश में ऊर्जा की मांग बढ़ रही है जबकि ऊर्जा के सीमित संसाधन तेजी से घट रहे हैं, इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि युवाओं को इससे जोड़ा जाए। भावी निर्णयकर्ताओं के तौर पर ऊर्जा संकट से बचने एवं ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने में युवाओं को इन कार्यक्रमों शामिल करना जरूरी है।''

इस अवसर पर विद्युत व नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री आर.के. सिंह भी उपस्थित थे, उन्होंने कहा, ''सतत् विकास का दारोमदार ऊर्जा के इष्टतम उपयोग एवं बर्बादी को रोकने पर है। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि दक्ष ऊर्जा इस्तेमाल को हम अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाएं। हमारे भावी नेताओं, इन बच्चों को बधाई देते हुए मुझे गर्व अनुभव हो रहा है, जिन्होंने पेन्टिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और ऊर्जा के उपयोग तथा पर्यावरणीय स्थिरता के विषय पर अंतर्निहित संवेदनशीलता को अभिव्यक्त किया।''

राष्ट्रीय पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन विद्युत मंत्रालय व ब्यूरो ऑफ ऐनर्जी ऐफिशियेंसी ने 11 केन्द्रीय विद्युत क्षेत्र उपक्रमों के सहयोग से किया। इसका उद्देश्य था स्कूली बच्चों को ऊर्जा दक्षता एवं जलवायु परिवर्तन के विषय पर अपने प्रेरक विचार प्रदर्शित करने के लिए बढ़ावा देना।

यह प्रतियोगिता तीन चरणों में हुई: स्कूल, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर। इस वर्ष विद्यार्थियों की समीक्षा जिन विषयों पर की गई उनमें शामिल थे– गैर जरूरी लाइट बंद करना, ऊर्जा का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ, ऊर्जा बचत को अपना जज़्बा बनाना, स्टर लेबल वाले उपकरण, घरों व दफ्तरों में ऊर्जा दक्षता। इस साल, पूरे देश से 19 विजेता विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिए गए।

पहली श्रेणी (कक्षा– 4, 5 व 6) तथा दूसरी श्रेणी (कक्षा–7, 8 व 9) में प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए, दूसरा पुरस्कार 50,000 रुपए और तीसरा पुरस्कार 25,000 रुपए दिए गए। सभी पुरस्कार विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए।

यह प्रतियोगिता देश भर के स्कूली विद्यार्थियों के बीच निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है, जिससे पता लगता है कि युवाओं के बीच ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ रही है। 2017 में रिकॉर्ड 1.226 करोड़ विद्यार्थियों ने इस स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया है, 2016 में यह आंकड़ा 1.14 करोड़ विद्यार्थी और 2014 में 60 लाख विद्यार्थी था।

यह प्रतियोगिता विद्युत मंत्रालय द्वारा ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आरंभ किए गए राष्ट्रीय जागरुकता अभियान का हिस्सा है। इसका प्रयास है भारत के युवाओं के मस्तिष्क में ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रति जागरुकता व आदत को प्रोत्साहित करना तथा कम उम्र से ही उन्हें ऊर्जा संरक्षण संबंधी सूचना व ज्ञान से युक्त बनाना।

बीईई, राज्य सरकारों व संबंधित एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों द्वारा ऊर्जा दक्षता व संरक्षण उपायों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया गया जिसके फलस्वरूप अब तक भारत 385.2 अरब यूनिट ऊर्जा बचा की बचत तथा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 319.7 मीलियन टन की कमी ला चुका है। इन उपायों से ऊर्जा की खपत घटी और कैपेसिटी जैनरेशन को टाला जा सका है।

ये उपलब्धियां *युनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क फॉर कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज* (यूएनएफसीसीसी) के लिए भारत के योगदान *(नैशनली डिटरमाइंड कॉन्ट्रिब्यूशंस–एनडीसी)* को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगी। भारत की कोशिश है समग्र आर्थिक विकास हेतु एक जलवायु–अनुकूल एवं स्वच्छ मार्ग का निर्माण करना ताकि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उत्सर्जन की सघनता को सन् 2005 के स्तर से घटा कर 2030 तक 33 से 35 प्रतिशत तक किया जा सके।

**ब्यूरो ऑफ ऐनर्जी ऐफिशियेंसी के बारे में**

1 मार्च 2002 को भारत सरकार द्वारा ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित ब्यूरो ऑफ ऐनर्जी ऐफिशियेंसी (बीईई) भारत में ऊर्जा दक्षता को नियमित एवं बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसका मिशन है आत्म–नियमन व बाजार सिद्धांतों पर जोर देते हुए नीतियां व रणनीतियां विकसित करने में सहयोग देना, जिनका प्रमुख उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था में ऊर्जा की गहनता को कम करना है।

***अधिक जानकारी के लिए कृपया सम्पर्क कीजिए:***
**मीडिया प्रबंधक:** sbhatnagar@beenet.in ; atripathi@beenet.in
**बीईई, सेवा भवन, चतुर्थ तल, नई दिल्ली**

–0–0–0–